परिचय

32 एकड़ में फैली झांसी में स्थापित कोच आइ.सी.एफ.कार्यशाला अपनी श्रेणी में भोपाल के बाद दूसरी सबसे बड़ी कोच फैक्ट्री थी। झांसी में नए कोच मिड लाइफ रिहैबिलिटेशन (एमएलआर) कार्यशाला का निर्माण 31 अक्टूबर 2014 से चालू हो गया था।

कोच एम.एल.आर. कारखाना, झांसी कोच की आयु में सुधार और यात्री सुविधाओं को उन्नत करके बेहतर यात्री सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रारंभ में इस कारखाने की स्थापना आइ.सी.एफ. प्रकार के कोचों के एम.एल.आर. गतिविधियों के लिए की गई थी, लेकिन बाद में रेलवे बोर्ड के निर्देशों के अनुसार, आइ.सी.एफ. कोचों की एम.एल.आर. गतिविधियों को रोक दिया गया है। वर्तमान में सी.एम.एल.आर. द्वारा अपने कार्य प्रोफ़ाइल को संशोधित करके आइ.सी.एफ. कोचों की पी.ओ.एच. गतिविधि का कार्य किया जा रहा है।

सीएमएलआर में स्वीकृत 714 पदों के सापेक्ष अब तक कुल 603 कर्मचारी कार्यरत हैं। सीएमएलआर कारखाना अप्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध कराने के साथ–साथ झांसी क्षेत्र के आर्थिक विकास के अवसर भी पैदा कर रहा है।

कारखाने की विशेषताएं

- बैकट्रैकिंग को खत्म करने के लिए कार्य क्षेत्रों के रूप में कोचों के यूनिफ्लो के साथ कॉम्पैक्ट शॉप की योजना बनाई गई है।
- कोन्स्टीट्यूट (घटक) शॉप में सब–असेंबली के मुख्य शॉप के यूनिफ्लो के साथ मुख्य शॉपों के नजदीक सपोर्ट शॉप ।
- आईसीएफ और एलएचबी दोनों कोचों को संभालने की क्षमता के साथ भविष्यवादी लेआउट।
- ट्रैक रखरखाव और पटरी से उतरने से बचने के लिए शॉप के अंदर कोई मोड़ नहीं।
- कोचों की प्लेसमेंट को सुविधाजनक बनाने और भीड़भाड़ से बचने के लिए सतह ट्रैवर्स के सामरिक स्थान के साथ एस्केप लाइन और मल्टीपल एक्सैस।
- कोचों की अंतर–शॉप आवाजाही के लिए शॉप के अंदर शंटिंग इंजन की आवश्यकता नहीं है। □
- सामग्री प्रवाह और भंडारण की सुविधा के लिए दीवार से दीवार तक औद्योगिक फर्श क्षेत्र के साथ साफ–सुथरी शॉप।
- कर्मचारियों / सामग्री की आसान आवाजाही के लिए वैगन मरम्मत वर्कशॉप, जनरल स्टोर डिपो और स्क्रैप यार्ड के साथ वर्कशॉप की उचित आंतरिक कनेक्टिविटी।